ब्रेकथ्रू और इंस्टाग्राम ने मिलाया हाथ

लैंगिक हिंसा की घटनाओं के संवेदशीलरिपोर्टिंग के लिए बनाएंगे 'इमेज बैंक'

नई दिल्ली,13अप्रैल 2017, महिलाओं के साथ होने वाली हिंसा पर लंबे समय से काम कर रही स्वंयसेवी संस्था ब्रेकथ्रू ने लिंग आधारित हिंसा के मुद्दे पर इंस्टाग्राम के साथ साझेदारी की घोषणा की है। एक जिम्मेवार संस्था के रूप में लिंग आधारित हिंसा की खबरों व अन्य प्लेटफार्म पर होने शेयरिंग में महिलाओं और लड़कियों का प्रस्तुतिकरण बेहतर तरीके से हो इसको सुनिश्चित करने के लिए ब्रेकथ्रू और इंस्टाग्राम मिलकर इस मुद्द पर मीडिया व इनसे जुडें लोगों को खबरों में फोटो(इमेज) की संवेदशील प्रस्तुतिकरण पर साझा काम करेगें और मीडिया के विभिन्न माध्यमों से जुड़े लोगों की इस मुद्दे पर समझ बढ़ाएंगे।

इस कड़ी में ब्रेकथ्रू और इंस्टाग्राम 16 अप्रैल 2017 को **'रिड्रा मैसोजिनी'**नाम के एक कार्यक्रम का आयोजन हौजखास विलेज में आयोजित कर रहे हैं। जिसमें चित्रकार,ग्राफिक आर्टिस्ट,फोटोग्राफर महिलाओं के साथ होने वाली हिंसा के मुद्दे पर संवेदनशील तरीके से एक सुरक्षित समाज बनाने में अपनी कला के माध्यम से योगदान देगें।

यह पहला मौका नही है जब ब्रेकथ्रू खबरों में महिलाओं के प्रस्तुतिकरण के मुद्दे का उठा रहा है,हम पिछले तीन वर्षों से रिपोर्टर,एडीटर,ब्लॉगर के साथ वर्कशॉप,वीकीपीडिया एडिटाथॉन जैसे आयोजन कर रहे हैं जिसका उद्देश्य महिलाओं से संबंधित खबरों का संवेदशील प्रस्तुतिकरण और इस क्षेत्र में उनकाअधिक से अधिक प्रतिनिधित्व बढ़ाना है।

ब्रेकथ्रू की कंट्री डायरेक्टर व वाइस प्रेसीडेंट सोनाली खान बताती है कि मीडिया वर्कशॉप में हमारा रिपोर्टिंग के साथ ही इस पर भी जोर रहता है कि महिलाओं के साथ होने वाली रिपोर्ट में किस तरह से चित्रों का प्रयोग किया गया है,खबर किस तरह से महिला की इमेज बना रही है,वो सही है या गलत यह देखना यह काफी महत्वपूर्ण हो जाता है। हमने रिपोर्ट लिखने में संवेदशील शब्दों के साथ ही उसमें प्रयोग होने वाली फोटो पर भी बात की है और प्रयास किया है कि महिलाओं के साथ होने वाली हिंसा व अन्य खबरों में उनकी सही इमेज निकल कर आए। अकसर हम देखते हैं कि खबरों में महिला का प्रस्तुतिकरण दीन-हीन,दया की पात्र या आरोपी की तरह किया जाता है,उसके चरित्र पर सवाल उठाए जाते हैं,कई बार खबरों को आकर्षक बनाने के लिए उसे ट्विश्ट कर दिया जाता है।जो हिंसा का सामना करने वाली महिलाओं के मन-मस्तिष्क पर गहरा असर डालता है। उन्होंने कहा कि इस तरह की खबरों में किस तरह की फोटो प्रयोग की जाए, इसके लिए भी कोई फोटो का बैंक उपलब्ध नही है। आप सब के सहयोग से इस दिशा में भी हमने काम शुरू किया है जिससे महिलाओं को लेकर रिपोर्टिंग का तरीका बेहतर दिशा की तरफ बढ़ें और एक संवेदनशील समाज का निर्माण हो सके।

ब्रेकथ्रू ने इसके लिए एक फेसबुक पेज **Redraw Misogyny**नाम से पेज बनाया है।इससे जुड़ने के लिए आप जा सकते हैं हमारे पेज **https://www.facebook.com/events/1816360395271244/**

ब्रेकथ्रूकेबारेमें -

ब्रेकथ्रूएकमानवाधिकारसंस्थाहैजोमहिलाओंऔरलड़कियोंकेखिलाफहोनेवालीहिंसाऔरभेदभावकोसमाप्तकरने केलिएकामकरतीहै।कला,मीडिया,लोकप्रियसंस्कृतिऔरसामुदायिकभागेदारीसेहमलोगोंकोएकऐसीदुनियाब नानेकेलिएप्रेरितकररहेहैं,जिसमेंहरकोईसम्मान,समानताऔरन्यायकेसाथरहसके।हममल्टीमीडियाअभियानों केमाध्यमसेमानवाधिकारसेजुडेंमुद्दोंकोमुख्यधारामेंलारहेहैं।इसेदेशभरकेसमुदायऔरव्यक्तियोंकेलिएप्रासंगिकब नारहेहैं।इसकेसाथहीहमयुवाओं,सरकारीअधिकारियोंऔरसामुदायिकसमूहोंकोप्रशिक्षणभीदेतेहैं,जिससेएकनई ब्रेकथ्रूजेनरेशनसामनेआएजोअपनेआस-पासकीदुनियामेंबदलावलासके।